मोरल ग्रुप ऑफ़ कम्पनीज

आपका हार्दिक स्वागत करता है आधुनिक कृषि की दुनिया में

MORAL

रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव

- रसायन का ज्यादा इस्तेमाल स्वास्थ्य एवं प्रकृति के लिए हानिकारक है |
- सिक्किम को जैविक कृषि उत्पादन राज्य घोषित किया गया है |
- ज्यादा लागत, कम उत्पादन एवं जमीन का नुकसान, ये रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव हैं |

रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव
कैंसर एक्सप्रेस

- रासायनिक जीवनाशक, कीटनाशक, फफूंदी नाशक इनके दुष्प्रभाव से कोई बच नहीं सकता | इसका उदाहरण –भारत में पंजाब से राजस्थान तक भटिंडा-बीकानेर (कैंसर एक्सप्रेस) चलती है |

रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव

रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव

- जमीन में जैविक कार्बन की मात्रा कम होती जा रही है |
- भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार भारत का किसान 100 दाने की बुआई करता है तो 60 दाने उगते हैं |
- उत्पादन बढ़ाने के लिए लागत बढ़ती है, तब किसान खेती करना छोड़ देता है |

रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव

- रासायनिक खादें किसी की मित्र नहीं होती |
- वो हानिकारक कीटों के साथ-साथ मित्र कीटों को भी मार देती हैं |
- कृषि में उपयोग किये जाने वाले ज़हरीले तत्व पौधों के साथ-साथ दानों की आयु घटा देते हैं |
- रासायनिक पोषक तत्वों का प्रभाव कम समय तक रहता है | ये कई तरीके के मिश्रित रसायन होते हैं |

रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव

- देश की एक बड़ी आबादी धीमा जहर खाने को मजबूर है जो कीटनाशकों के जरिए अनाज, सब्जियों और फलों में शामिल हो चुका है |
- यह जहर, पसीने, श्वांस, मल या मूत्र के जरिए हमारे शरीर से बाहर नहीं निकलता है अपितु शरीर की कोशिकाओं में फैलकर लाइलाज रोगों और भांति-भांति के कैंसर को जन्म देता है |
- इसी का प्रभाव है कि कई मातायें अपने बच्चों को स्तनपान के जरिए कीटनाशक रसायनों के जहरीले तत्वों का सेवन करवा रही हैं जिससे बच्चों में शारीरिक विकलांगता के स्थाई लक्षण नजर आ रहे हैं

रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव

- आधुनिक खेती के नाम पर जो कुछ हो रहा है उससे पर्यावरण और मानव सभ्यता, दोनों खतरे में है |

- आधुनिक मनुष्य अपने को प्रकृति का अंग नहीं अनुभव करता। प्रकृति से संघर्ष में वह भूल जाता है कि इस संघर्ष में वह जीत भी जाये तो भी नुकसान उसी का होगा |

- हम किस कम्पनी का जूता और कपड़ा पहनते हैं यह तो हम जानते हैं पर जिस किसान का पैदा किया गया अनाज खाते हैं, उसकी उपेक्षा क्यों ?

कृषि में उपयोग होने वाले रसायन

- रासायनिक खादें –
- 1. D.A.P.
- 2. यूरिया
- 3. N.P.K.
- 4. सल्फर
- 5. जिंक
- 6. कैल्शियम इत्यादि

कृषि में उपयोग होने वाले रसायन

- कीटनाशक, कीटाणुनाशक, खर-पतवार नाशक, फफूंदी नाशक, दीमक नाशक, सूक्ष्म जीव जो फसल को हानि पहुंचतें हैं उनके नाश के लिए ज़हरीले तत्व सदैव हानिकारक होते हैं |
- कुछ देशों में ऐसे तत्वों को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर रखा है |
- भारत में बहुत से कृषि रसायन प्रतिबंधित हैं |
- (सोचिये हम कहाँ हैं ?)

आधुनिक खेती और प्राचीन खेती में अंतर

आधुनिक खेती	प्राचीन खेती
1. रसायनयुक्त खेती	1. जैविक तत्वों से युक्त खेती
2. बहुतायत मात्रा में ज़हरीले तत्वों का उपयोग	2. विषाक्त तत्वों रहित खेती
3. फसलों का सेल्फ लाइफ कम	3. फसलों का सेल्फ लाइफ ज्यादा
4. फसल की रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं विपरीत मौसम से लड़ने की क्षमता कम हो जाती है |	4. फसलों की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है एवं विपरीत मौसम से लड़ने की क्षमता बढ़ जाती है |

चुनाव करिए

- कौन सी खेती ज्यादा अच्छी है ?
- क्यों ?
- आपकी राय ?
- क्यों ?

जैविक कृषि

- हमारे पूर्वजों ने बहुत पुराने समय से जैविक कृषि को प्रोत्साहन दिया है |
- वे हमसे ज्यादा तंदुरुस्त एवं खुशमिजाज़ रहते थे |
- ज़मीन पर बार-बार पोषक तत्व नहीं डालने पड़ते थे |
- ज़मीन की उर्वरा शक्ति बरकरार रहती थी |
- ज़मीन भरपूर नमी युक्त एवं मिट्टी मुलायम रहती थी |
- दानों का अंकुरण बहुत ज्यादा होता था |
- बीमारियों का खतरा कम था |

जैविक कृषि

- क्यों न फिर से जैविक कृषि अपनाई जाये
- गोबर की खाद, कंडों की राख खेतों में डाली जाये
- हरित क्रान्ति के बाद ज़मीन पर हुए नुकसान को समाप्त किया जाये
- सेहतमंद एवं निरोग जियें
- उत्पादन की गुणवत्ता बढ़ाई जाये
- कम लागत में ज्यादा उत्पादन लिया जाये

इसके लिए मोरल ग्रुप ऑफ़ कम्पनीज प्रस्तुत कर रहा है –नए कृषि उत्पाद

- इन उत्पादों की विशेषताएं अनगिनत हैं पर कुछ आपके साथ चर्चा करते हैं –

1. जैविक उत्पाद
2. पेटेंट उत्पाद
3. पेटेंट तकनीक
4. विषरहित
5. वातावरण के लिए उपयोगी
6. नमी बढ़ाए
7. दानों का अंकुरण बढ़ाए
8. ज़मीन की उर्वरा शक्ति बढ़ाए
9. मिट्टी के विषैले तत्वों का नाश करे
10. मित्र कीटों की रक्षा करे

हमारे नए कृषि उत्पाद

1. अर्थरिच
2. निपको
3. एग्रीबॉस
4. एरीटो पॉवर
5. बैक्टीगोन
6. विनसेक्ट
7. सुपरशॉट
8. सुपरमाइट
9. सल्फा गोल्ड
10. टोक्सिगोन

1. अर्थरिच

M.R.P. = Rs. 1099

D. P. = Rs. 999

B. V. = 40%

1. अर्थरिच – दानेदार खाद

- दानेदार खाद जोकि ज़मीन को ताकतवर बनाये
- जैविक उत्पाद
- ज़मीन की उर्वरा शक्ति बढ़ाए
- मिट्टी को पोषक तत्वों से भरपूर करे
- फसलों के उत्पादन को बढ़ाने में मदद करे
- इस्तेमाल करने में आसान
- रासायनिक खादों से ज्यादा प्रभावशाली, जैसे की D.A.P. 18:46 प्रति 100 किलो है और अर्थरिच 12:61 प्रति 25 किलो है |

Organic
Good for nature
Good for you

1. अर्थरिच – दानेदार खाद

- अर्थरिच सूक्ष्म जीवों का मित्र है |
- दुष्प्रभाव रहित है |
- वातावरण को भी हानि से बचाता है |
- पौधों द्वारा इसके पोषक तत्व ज्यादा अवशोषित होते हैं |
- 19:19:19 (NPK) से भरपूर |
- लम्बे समय तक प्रभावशाली
- पारिस्थितिकी तंत्र को किसी भी हानिकारक प्रभाव से बचाए |
- प्रदूषण रहित

उपयोग विधि

- प्रति एकड़ 5 किलो
- खाली ज़मीन पर छिड़काव करें
- बेहतर परिणाम के लिए 30 किलो मिट्टी में 1 लीटर भूमि पॉवर एवं 5 किलो अर्थरिच मिलाएं, छिड़काव करें, सिंचाई करें, जुताई करें और बुआई करें |

2. निपको

M.R.P. = Rs. 499

D. P. = Rs. 415

B. V. = 50%

2. निपको

- नाइट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश जैसे तत्वों से भरपूर
- फसलों को तैयार करने में मदद करे
- मिट्टी की उर्वरा शक्ति बढ़ाए
- अनाज उत्पादन बढ़ाने में मदद करे
- उच्च गुणवत्ता युक्त फसल का उत्पादन करे
- दुष्प्रभाव रहित
- त्वचा को एलर्जी से बचाए
- **जैविक उत्पाद**

Organic
Good for nature
Good for you

उपयोग विधि

- एक डिब्बा 200 लीटर पानी में मिलाएं एवं 100 मिलीलीटर एग्रोमोर मिलाएं और 1 एकड़ में छिड़काव करें |
- **जैविक उत्पाद**

Organic
Good for nature
Good for you

3. एग्रीबॉस

M.R.P. = Rs. 1190

D. P. = Rs. 990

B. V. = 60%

3. एग्रीबॉस

- भारत का प्रथम नैनो तकनीक से बना उत्पाद
- पेटेंटेड

- गहन अनुसंधान से निर्मित

- कम मात्रा में अप्रत्याशित परिणाम देने वाला उत्पाद
- **जैविक उत्पाद**

Organic
Good for nature
Good for you

3. एग्रीबॉस

- पौधों एवं फसलों का विस्तार करे
- रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ाए
- रोग-प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत करे
- तनाव से लड़ने एवं सहनशक्ति बढ़ाने में मदद करे
- किसी भी पेस्टीसाइड में मिला कर उपयोग किया जा सकता है

उपयोग विधि

- 1 ग्राम 200 लीटर पानी में मिला कर फसल पर छिड़काव करें

4. एरिटो पॉवर

M.R.P. = Rs. 699

D. P. = Rs. 499

B. V. = 50%

4. एरिटो पॉवर

- पेटेंटेड उत्पाद
- पौधों की चयापचय क्रिया वृद्धक
- पर्णीय छिडकाव द्वारा उपयोग करें
- ज़हरीले तत्वों से रहित
- जैविक तत्वों से निर्मित
- मादा फूलों को ज्यादा से ज्यादा निकाले
- प्रकाश संश्लेषण क्रिया में वृद्धि करे

4. एरिटो पॉवर

- कोशिका वर्धन करके फसल वृद्धि करे
- फूलों और फलों पर सामान्य रंग एवं विकास सुनिश्चित करे
- वातावरण से होने वाले नुक्सान से बचाए
- पेटेंटेड तकनीक से निर्मित
- उपयोग में आसान

उपयोग विधि

- 10 मिलीलीटर एरिटो पॉवर 200 लीटर पानी में मिलाकर फसल पर छिड़काव करें

5. बैक्टीगोन

M.R.P. = Rs. 899

D. P. = Rs. 799

B. V. = 50%

5. बैक्टीगोन

- जैविक उत्पाद
- दुष्प्रभाव रहित
- जीवाणु नाशक
- विषाणु नाशक
- फफूंदी नाशक

- अपना प्रभाव लम्बे समय तक बना के रखे

5. बैक्टीगोन

- तापमान के उतार-चढ़ाव से उत्पाद के प्रभाव में कोई कमी नहीं आती
- रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए
- ताकतवर जैविक तत्वों से बना
- पेटेंटेड तकनीक से निर्मित

उपयोग विधि

- 200 मिलीलीटर बैक्टीगोन 200 लीटर पानी में मिलाएं
- 1 एकड़ फसल पर छिड़काव करें

6. विनसेक्ट

M.R.P. = Rs. 1095

D. P. = Rs. 995

B. V. = 50%

6. विनसेक्ट

- जैविक उत्पाद
- रसायन रहित
- 15 से 21 दिन तक प्रभावशाली
- 40° तापमान पर भी प्रभावशाली
- ये उत्पाद पत्तों को चबाकर फसल को नष्ट करने वाले कीटों के लिए है

6. विनसेक्ट

- पत्तों के समाप्त हो जाने पर फसल मृत अवस्था में जाने से बचाए
- वातावरण का मित्र, दुर्गन्ध रहित
- फसल उत्पादन की गुणवत्ता घटने नहीं देता
- उपयोग में आसान

उपयोग विधि

- 200 मिलीलीटर विनसेक्ट 200 लीटर पानी में मिलाएं और 1 एकड़ फसल पर छिड़काव करें

7. सुपर शॉट

M.R.P. = Rs. 750

D. P. = Rs. 650

B. V. = 50%

7. सुपर शॉट

- जैविक उत्पाद
- मित्र कीटों की वृद्धि करे
- पौधों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए
- छोटे कीटों एवं रस चूसने वाले कीटों के विरुद्ध काम करे
- इन कीटों का खात्मा भी करे

7. सुपर शॉट

- वातावरण का मित्र उत्पाद
- पेटेंटेड तकनीक
- उपयोग करने में आसान
- दुर्गन्ध रहित

PATENTED

उपयोग विधि

- 10 मिलीलीटर सुपर शॉट 15 लीटर पानी में मिला कर सुबह जल्दी या शाम को फसल पर छिड़काव करें

8. सुपरमाइट

M.R.P. = Rs. 699

D. P. = Rs. 599

B. V. = 50%

8. सुपरमाइट

- जैविक उत्पाद
- रसायन रहित उत्पाद
- अति क्रियाशील
- पौधा इसे पत्तियों से ग्रहण करता है इसलिए इसका प्रभाव लम्बे समय तक बना रहता है
- माइट्स एवं पत्तियों को हानि पहुँचाने वाले कीटों के विरुद्ध कार्य करता है

8. सुपरमाइट

- बिना कोई दाग त्वरित प्रभावशाली फार्मूला
- इन कीटों के विरुद्ध पौधों में प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत करता है
- इन कीटों के तंत्रिका तंत्र को नष्ट करके उन्हें अपंग बना देता है
- इस्तेमाल करने में आसान

उपयोग विधि

- 200 मिलीलीटर सुपरमाइट 200 लीटर पानी में मिला 1 एकड़ फसल पर छिड़काव करें

9. सल्फा गोल्ड

M.R.P. = Rs. 399

D. P. = Rs. 325

B. V. = 50%

9. सल्फा गोल्ड

- जैविक सूक्ष्म पोषक तत्व
- कीट नाशक एवं फफूंदी नाशक की तरह कार्य करे
- पत्तियों द्वारा ज्यादा मात्रा में अवशोषित होकर उनका हरापन बढ़ाए
- उत्पादन बढ़ाने में सहायक

9. सल्फा गोल्ड

- पानी में 100% घुलनशील
- पेटेंटेड तकनीक से निर्मित
- दुष्प्रभाव से रहित
- उपयोग में आसान

उपयोग विधि

- 2 से 3 मिलीलीटर 1 लीटर पानी के साथ पर्णीय छिड़काव करें, 1 लीटर प्रति एकड़ फसल के लिए पर्याप्त
- दूसरा छिड़काव 3 से 6 सप्ताह बाद फिर करें

10. टोक्सिगोन

M.R.P. = Rs. 499

D. P. = Rs. 399

B. V. = 50%

10. टोक्सिगोन

- कीटनाशक, धूल-मिट्टी, सामान्य गन्दगी, चिपचिपापन, जो पानी द्वारा धोने से दूर नहीं होता, उन्हें दूर करने के लिए जैविक उत्पाद
- सब्जियों को कीटनाशकों से मुक्त करे
- सब्जियों को गन्दगी से मुक्त करे
- कृत्रिम रंग से रंगे फलों और सब्जियों को रंग से मुक्त करे

10. टोक्सिगोन

- फफूंदी और जीवाणु दूर करे
- मिट्टी और बालू के कण दूर करे
- फलों और सब्जियों की उम्र बढ़ाए
- इस्तेमाल में आसान

उपयोग विधि

- 1 मिलीलीटर टोक्सिगोन 1 लीटर पानी में मिलाएं
- फलों, सब्जियों और अनाज को 5 मिनट तक डुबाये रखें तत्पश्चात पकाएं

जैविक खेती अपना कर मिसाल पेश की किसान पूरा राम ने

- मेड़ता सिटी के बडग़ांव के किसान पूरा राम कलवानिया ने जैविक खेती की शुरुआत कर साथी किसानों के लिए मिसाल पेश की है। पूरा राम ने तीन साल पहले इस रासायनिक खेती के खतरे भांप कर ऑर्गेनिक फार्मिंग अपनाई और आज वे दूसरे किसानों से अधिक मुनाफा कमा रहे हैं। साथ ही पर्यावरण का सरंक्षण भी कर रहे है। अन्य किसानों को भी जैविक खेती अपनाने की प्रेरणा दे रहे हैं। पूरा राम ने जैविक खेती से कपास की एक बुवाई से ही दूसरी बार फसल ले ली है। वे चिपटा (ज्वार), सरसों, जीरा, सौंफ, गेहूं आदि की फसलें ले चुके हैं। उन्होंने जैविक खेती उगाई मूंग भी 9100 रुपए के भाव से बेची। जो सामान्य भावों से ज्यादा है।

उत्पाद प्रयोग की विधि

- 1 लीटर भूमि पॉवर + 5 किलो अर्थरिच 25 मिट्टी में मिलाएं और 1 एकड़ खाली जमीन पर छिड़काव करें
- फसल की बुवाई के 30 दिन बाद 1 लीटर निपको + 160 मिलीलीटर एग्रोमोर 200 लीटर पानी में मिलाएं और 1 एकड़ फसल पर छिड़काव करें
- इसके 10 दिन बाद 200 लीटर पानी में 1 ग्राम एग्रीबॉस मिलाएं और 1 एकड़ फसल पर छिड़काव करें
- इसके 10 दिन के बाद 100 लीटर पानी में 50 मिलीलीटर एग्रोमोर मिलकर 1 एकड़ फसल पर छिड़काव करें
- इसके 15 दिन बाद 200 लीटर पानी में 10 मिलीलीटर एरीटोपॉवर मिलाकर 1 एकड़ फसल पर छिड़काव करें
- 1 माह बाद दोबारा 200 लीटर पानी में 10 मिलीलीटर एरीटोपॉवर मिलाकर 1 एकड़ फसल पर छिड़काव करें

तरक्की का रास्ता यहाँ से शुरू होता है

धन्यवाद